# माँ तू ही सबकी पालनहार

माँ तू ही सबकी पालनहार ,
माँ तू ही सबका करती उधार ,
आदि भवानी माँ तेरी जय हो मैया। -2

जल थल और नभ में ,जीव जंतु है तूने बनाये ,
रचना कर गजब की ,कई लोक हैं तूने बसाये ,
चाँद सूरज सितारों में,तेरी ही नूरानी माँ।
तेरी जय हो मैया।आदि.....

वन पहाड़ नदियां ,फल फूल ये बाग़ बगीचे ,
खेत खनिज ये मौसम ,क्या नजारे हैं तूने ये सींचे ,
कुदरत का हर जलवा ,तेरी कहानी माँ।
तेरी जय हो मैया।आदि.....

दो दो ही जोड़े ,हर चीज के तूने जड़े हैं ,
माँ माया से हटकर ,तूने कौतुक अजब ही करे हैं ,
माँ के "मधुप" रूप गुण धाम ,लीला लसानी है।
तेरी जय हो मैया।आदि.....
आदि भवानी माँ तेरी जय हो मैया।-2

जय माता दी।

**कवि** : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण **'मधुप'** (मधुप हरि जी महाराज) अमृतसर (9814668946)

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33099/title/ma-tu-hi-sabki-palanhaar

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |